पाठ्यक्रम समिति बैठक

2021 - 22

आज दिनांक 12/08/2021 को संस्कृत विभाग में पाठ्यक्रम समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुये।

1. डॉ. दिव्या देशपाण्डे (अध्यक्ष-पाठ्यक्रम समिति) -
2. डॉ. ललित प्रधान आर्य (सचिव) -
3. डॉ. सत्येन्द्र शर्मा (प्राचार्य द्वारा मनोनीत विषय विशेषज्ञ) -
4. डॉ. सुषमा तिवारी - (कुलपति द्वारा मनोनीत विषय विशेषज्ञ) -

बैठक

बैठक ने चर्चा कर निम्नलिखित निर्णय लिये गये -

(1) एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र की तृतीय इकाई में ऋग्वेद सूक्त 10.1-10 को सम्मिलित किया गया। यह परिवर्तन इकाई विस्तार की आवश्यकता को देखकर किया गया। इसी सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र की प्रथम इकाई में परिभाषा प्रकरण के स्थान पर प्रत्याहार सम्मिलित किये गये। यह परिवर्तन व्याकरण के मूलज्ञान हेतु प्रत्याहारों के ज्ञान की अनिवार्यता को देखकर किया गया। इसी प्रश्नपत्र की चतुर्थ इकाई में पाणिनीय शिक्षा (सम्पूर्ण) को सम्मिलित किया गया। पूर्व में पाणिनीय शिक्षा द्वितीय सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र में थी। यह स्थान परिवर्तन पाणिनीय शिक्षा के प्रारंभिक ज्ञान की अनिवार्यता तथा द्वितीय सेमेस्टर में इकाइयों में उचित परिवर्तन की आवश्यकता को देखकर किया गया। इसी इकाई में रामायण के 5 सर्ग के स्थान पर 3 सर्ग ही सम्मिलित किये गये ताकि इकाई विस्तार अधिक न हो।

(2) एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के प्रथम प्रश्नपत्र की इकाइयों के क्रम में परिवर्तन किया गया है। पूर्व निर्धारित चतुर्थ इकाई को द्वितीय, द्वितीय इकाई को तृतीय तथा तृतीय इकाई को चतुर्थ क्रम पर रखा गया है। यह क्रम परिवर्तन विषय-वस्तु की दृष्टि से क्रम परिवर्तन की आवश्यकता को देखकर किया गया है। इसी सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र में चतुर्थ इकाई पाणिनीय शिक्षा के स्थान पर तृतीय इकाई के तद्धित समास को रखा गया है तथा तृतीय इकाई में केवल अव्ययीभाव-

सुग्रीव एवं अङ्गद को ही सम्मिलित किया गया है। यह परिवर्तन
द्वितीय से तृतीय इकाई के अतिविस्तार को कम करने की दृष्टि से
किया गया। इसी सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र की इकाई 2,
3, तथा चार में पूर्व में ध्वन्यालोक के प्रथम उद्योत की कारिकायें
निर्धारित थीं। उसके स्थान पर काव्यप्रकाश की इकाइयों का
निर्धारण किया गया है। द्वितीय इकाई में काव्यप्रकाश- प्रथम तथा द्वितीय
उल्लास, तृतीय इकाई में - काव्यप्रकाश चतुर्थ उल्लास (सम्पूर्ण [illegible]) तथा चतुर्थ इकाई
में काव्यप्रकाश के अनुसार अलंकारों के सोदाहरण लक्षण रखे गये।
ये इकाइयाँ पूर्व में अन्य सेमेस्टर में अध्ययन हेतु निर्धारित थीं
किन्तु काव्यप्रकाश चूँकि काव्यशास्त्र का बुनियादी ग्रन्थ है अतः
उसका द्वितीय सेमेस्टर में अध्ययन आवश्यक मानकर यह परिवर्तन
किया गया।

(3) सेमेस्टर तृतीय के प्रथम प्रश्नपत्र की प्रथम इकाई कवि-काव्यम् में
लघुत्रयी बृहत्त्रयी के स्थान पर प्रमुख कवियों का परिचय सम्मिलित किया गया।
यह परिवर्तन विद्यार्थियों को संस्कृत-साहित्य के ज्ञान की आवश्यकता
की दृष्टि से किया। इसी सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र में काव्यप्रकाश
के इकाइयों के स्थान पर ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत की कारिका 1-6
द्वितीय इकाई में, कारिका 7-12 तृतीय इकाई में तथा 13 से समाप्ति
पर्यन्त तृतीय इकाई में स्थानांतरित की गई। इसी सेमेस्टर के
पञ्चम प्रश्नपत्र की तृतीय इकाई को चतुर्थ में स्थानांतरित किया
गया तथा चतुर्थ इकाई- साहित्यदर्पण- द्वितीय परिच्छेद 1-11 कारिका के स्थान पर
साहित्यदर्पण द्वितीय परिच्छेद (सम्पूर्ण) रखा गया। यह परिवर्तन
इकाई को विस्तृत करने की दृष्टि से किया गया।

(4) सेमेस्टर चतुर्थ के प्रथम प्रश्नपत्र की प्रथम इकाई में वैदिककालीन
उपासनापद्धति तथा यज्ञसंस्था को सम्मिलित किया गया। इकाई
विस्तार की आवश्यकता को देखकर यह परिवर्तन किया गया। इसी
सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र की प्रथम इकाई में काव्यप्रकाश
प्रथम उल्लास के स्थान पर काव्यप्रकाश के पञ्चम उल्लास को
स्थानांतरित किया गया। यह परिवर्तन काव्यप्रकाश के
अध्यापन क्रम में उल्लासों के अध्ययन क्रम के निर्धारण की
दृष्टि से किया गया है। इसी सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र में इकाई
प्रथम काव्यादर्श - तृतीय परिच्छेद - पुनः समाप्तिपर्यन्तम् को हटा

दिया गया। इकाई 2 तथा इकाई 3 को इकाई प्रथम एवं द्वितीय के रूप में स्थानांतरित किया गया तथा इकाई तीन में काव्यप्रकाश: तथा काव्यप्रकाश- अष्टमोऽल्लास: को स्थानांतरित किया गया। यह परिवर्तन विषय वस्तु के व्यवस्थितकरण को दृष्टि में रखकिया गया। इसी सेमेस्टर के पञ्चम प्रश्नपत्र की प्रथम इकाई में ~~काव्यदर्पण~~ - द्वितीयपरिच्छेद की कारिका 2 से समाप्तिपर्यन्त को परिवर्तित कर चतुर्थ इकाई में ग्रन्थों का आलोचनात्मक प्रश्न सम्मिलित किया गया।

(5) स्नातक का पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम के अनुसार वर्ष रूप से अनुसरित किया जा रहा है।
वर्ष 2021-22 में पाठ्यक्रम में 10% का परिवर्तन किया है।

1. डॉ. सत्येन्दु शर्मा -
2. डॉ. सुषमा तिवारी -
3. डॉ. दिव्या देशपाण्डे -
4. डॉ. ललित प्रधान आर्य -

डॉ. दिव्या देशपाण्डे
विभागाध्यक्ष (संस्कृत)

Principal
Govt. Digvijay College
Rajnandgaon (C.G.)